Dr. Ranjeet Kumar.
Deptt. of History
H. D. Jain College, Ara.

गियासुद्दीन बलबन के सैन्य अभियान :-

बलबन ने नागरिक और सैन्य लाइनों में जो सुधार किया, उसने उसे और अधिक शक्तिशाली बना दिया। बलबन का शासन, शक्ति के डर पर आधारित था। उसने लोगों को यह विश्वास दिलाया कि सुल्तान ईश्वर की छाया है और उसने कठोर दरबारी अनुशासन लागू किया।

गियासुद्दीन बलबन ने अपने शासन काल में कई सैन्य अभियान चलाए, जिनमें प्रमुख निम्नलिखित हैं—

- मेवातियों के खिलाफ अभियान
- दोआब और अवध के विद्रोहों को दबाना
- ग्वालियर, चंदेरी, और मालवा पर अभियान

बलबन ने अपने शासन में सैन्य विभाग, दीवान-ए-अर्ज की स्थापना की थी, उसने अपनी सेना को पुनर्गठित किया और चहलगानी शक्ति को खत्म कर दिया, उसने अपने अधिकारियों को अनुशासित किया और सैनिक और आर्थिक अधिकारों को अलग कर दिया।

बलबन के सैन्य अभियान की कुछ खास बातें—

- बलबन ने अपने शासन के पहले दो वर्षों में दिल्ली के आस-पास के जंगलों को काटकर साफ कराया
- उसने मेवातियों के खिलाफ कई अभियान चलाए और हजारों मेवातियों का वध किया।

P. T. O —

→ उसने बंगाल पर पुनः विजय प्राप्त की। और बंगाल के गवर्नरों को मार डाला।

- उसने अपने दूसरे बेटों को बंगाल का गवर्नर नियुक्त किया।
- उसने दोआब और अवध के विद्रोहों को दबाया
- उसने जंगलों को साफ करने, सड़कों का निर्माण करने और उनकी सुरक्षा की व्यवस्था करने की नीति अपनाई।